'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 5th Semester Examination, 2022

DSE-P2-HINDI (502)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

पत्र-संख्या **DSE-502A** 'प्रेमचंद' और **DSE-502B** 'आधुनिक भारतीय साहित्य' में से किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए।
उत्तर-पुस्तिका में पत्र-संख्या उल्लेख कीजिए।

DSE-502A

प्रेमचंद

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) 'सेवासदन' उपन्यास पहले किस भाषा में लिखा गया था और उसका नाम क्या था ?

(ख) 'कर्बला' नाटक के शिल्प पर विचार कीजिए।

(ग) 'नरम का दरोगा' कहानी के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(ङ) 'प्रेमचंद घर में' किस विधा की रचना है और इसका प्रकाशन-वर्ष क्या है ?

(च) प्रेमचंद नाम से प्रकाशित मुंशी प्रेमचंद की पहली कहानी का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) ''आपके आने से मैं कृतार्थ हो गयी। आपकी भक्ति, आपका प्रेम, आपकी कार्यकुशलता, किस-किस की बड़ाई करूँ। आप वास्तव में स्त्री समाज का श्रृंगार हैं। (सजल नेत्रों से) मैं तो अपने को आपकी दासी समझती हूँ। जब तक जीऊँगी आप लोगों का यश मानती रहूँगी। मेरी बाँह पकड़ी और मुझे डूबने से बचा लिया। परमात्मा आप लोगों का सदैव कल्याण करें।''

(ख) ''काव्य और साहित्य का उद्देश्य हमारी अनुभूतियों की तीव्रता को बढ़ाना है; पर मनुष्य का जीवन केवल स्त्री-पुरुष-प्रेम का जीवन नहीं है। क्या वह साहित्य, जिसका विषय श्रृंगारिक मनोभावों और उनसे उत्पन्न होने वाली विरह-व्यथा, निराशा आदि तक ही सीमित हो– जिसमें दुनिया की कठिनाइयों से दूर भागना ही जीवन की सार्थकता समझी गई हो, हमारी विचार और भाव सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है?

(ग) ''कितना अपूर्व दृश्य था, जिसकी सामूहिक क्रियाएँ, विस्तार और अनन्तता हृदय को श्रद्धा, गर्व और आत्मानन्द से भर देती थीं, मानों भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोये हुए है।''

(घ) ''वह एक रहस्य है कि भलाइयों में जितना द्वेष होता है, बुराइयों में उतना ही प्रेम। विद्वान् विद्वान् को देखकर, साधु साधु को देखकर और कवि कवि को देखकर जलता है । एक-दूसरे की सूरत देखना नहीं चाहता। पर जुआरी जुआरी को देखकर, शराबी शराबी को देखकर, चोर चोर को देखकर सहानुभूति दिखाता है, सहायता करता है।''

(ङ) ''इधर देश की राजनीतिक दशा भयंकर होती जा रही थी। कम्पनी की फ़ौजें लखनऊ की तरफ़ बढ़ चली आती थीं। शहर में हलचल मची हुई थी। लोग बाल-बच्चों को लेकर देहातों में भाग रहे थे। पर हमारे दोनों खिलाड़ियों को इसकी ज़रा भी फ़िक्र न थी।''

(च) ''पानी को दूध के नाम से बेचनेवाला ग्वाला, कल्पित रोजनामचे भरने वाले अधिकारी वर्ग, रेल में बिना टिकट सफ़र करनेवाले बाबू लोग, जाली दस्तावेज़ बनानेवाले सेठ और साहूकार यह सब के सब देवताओं की भाँति गर्दनें चला रहे थें।''

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी उपन्यास के रूप में 'सेवासदन' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) नाट्यकला की दृष्टि से 'कर्बला' नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) 'मुक्तिमार्ग' कहानी के उद्देश्य पर विचार कीजिए।

(घ) पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों के आधार पर प्रेमचंद के कथा-शिल्प की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

DSE-502B

आधुनिक भारतीय साहित्य

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) 'दो बैलों की कथा' कहानी के मूलभाव को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मुक्तिमार्ग' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(ग) 'ईदगाह' कहानी में मेले में चिमटा खरीदने से पहले हामिद के मन में कौन-कौन से विचार आए।

(घ) 'कर्बला' नाटक का सारांश लिखिए।

(ङ) 'नमक का दरोगा' कहानी का कौन सा पात्र आपको सर्वाधक प्रभावित करता है और क्यों ?

(च) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी का उद्देश्य लिखिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) साहित्य उसी रचना को कहेंगे जिसमें कोई सच्चाई प्रकट की गयी हो, उसकी भाषा प्रौढ़, परिमार्जित एवं सुन्दर हो और जिसमें दिल और दिमाग पर असर डालने का गुण हो।

(ख) लेकिन परिणाम का भय किसी तरह पीछा न छोड़ता था। उन्होंने कभी रिश्वत नहीं ली थी। हिम्मत न खुली थी। जिसने कभी किसी पर हाथ न उठाया हो, वह सहसा तलवार का वार नहीं कर सकता।

(ग) न्याय और नीति सब लक्ष्मी के ही खिलौने हैं, इन्हें वह जैसा चाहती हैं, नचाती हैं।

(घ) उन्हें क्या ख़बर कि चौधरी आज आँखें बदल ले, तो यह सारी ईद मुहर्रम हो जाए।

(ङ) शहर में कोई हलचल थी न मारकाट। एक बूंद भी खून नहीं गिरा था। आज तक किसी स्वाधीन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से, इस तरह खून बहे बिना न हुई होगी।

(च) चार दिन की जिंदगानी में बैर-विरोध बढ़ाने से क्या फायदा है ? मैं तो बरबाद हुआ ही, अब उसे बरबाद करके क्या पाऊँगा ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) 'सेवासदन' उपन्यास में चित्रित प्रमुख समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध की स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'कर्बला' नाटक की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए।

(घ) प्रेमचंद की कहानी कला का वैशिष्ट्य लिखिए।

——×——